सरल अल्पाधिकार (Simple Oligopoly)

अल्पाधिकार

Oligopoly

Oligoi

Pollein

A Few (थोड़े)

To Sell (बेचना)

अल्पाधिकार का अर्थ है थोड़े से विक्रेताओं में प्रतियोगिता

अल्पाधिकार उस समय उत्पन्न होता है जबकि थोड़े से विक्रेता होते हैं, अल्पाधिकार अथवा थोड़े से विक्रेताओं के बीच प्रतियोगिता तब होती जब उद्योग के समरूप वस्तुओं का उत्पादन करने वाली अथवा उनके समीप स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली फर्मों की अल्प संख्या होती है।

अतः अल्पाधिकारी बाजार की वह स्थिति है जिसमें अधिक विक्रेताओं का अस्तित्व पाया जाता है परंतु उनकी संख्या उतनी बड़ी नहीं होती जितनी पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत पाई जाती है

अल्पाधिकार में फर्मों या विक्रेताओं की संख्या बहुत सीमित होती है इसलिए प्रत्येक फर्म में किसी निर्णय का उसके प्रतिद्वंद्वियों पर तो प्रभाव पड़ता ही है साथ ही इससे प्रतिद्वंद्वियों द्वारा लिए गए निर्णयों का भी इसी फर्म पर दूरगामी प्रभाव पड़ते हैं।

अतः अल्पाधिकार बाजार में विद्यमान सभी विक्रेताओं इस परस्पर निर्भरता का अनुभव करते हैं एवं इसके अनुरूप ही कीमत एवं उत्पादन संबंधी निर्णय लेते हैं। यही कारण है कि अल्पाधिकार स्थिति को शास्त्रियों ने "परस्पर निर्भरता" की संज्ञा दी है।

उदाहरण:

परिभाषाएं

मेयर्स के अनुसार, "अल्पाधिकार बाजार की उस अवस्था को कहते हैं जहाँ विक्रेताओं की संख्या इतनी कम होती है कि प्रत्येक विक्रेता बाजार की कीमत पर प्रभाव पड़ता है तथा प्रत्येक विक्रेता इस बात को जानता है।"

जॉन रॉबिन्सन के अनुसार, "यह एकाधिकार व प्रतियोगिता की मध्यवर्ती स्थिति है जिसमें विक्रेताओं की संख्या एक से अधिक होती है परंतु इतनी बड़ी नहीं कि बाजार कीमत पर किसी एक के प्रभाव को नगण्य बना दे"

अल्पाधिकार की विशेषताये

- विक्रेताओं की अल्प संख्या
- परस्पर निर्भरता
- लगभग समरूप वस्तु या विभेदित वस्तुओं का विक्रय
- उद्योग में नई फर्मों का कठिन प्रवेश व बहिर्गमन
- मांग वक्र की अनिश्चितता
- विज्ञापन की क्रियाएं
- कीमत स्थिरता
- समूह व्यवहार

अल्पाधिकार का वर्गीकरण

शुद्ध तथा विभेदीकृत अल्पाधिकार

अल्पाधिकार में बहुत सी वस्तु एक सी हो सकती है अथवा उसमे अंतर पाया जा सकता है जब वस्तु एक सी होती है जैसे इस्पात, सीमेंट, तांबा आदि तो उसे ***शुद्ध अल्पाधिकार या बिना वस्तु विभेदीकरण के अल्पाधिकार*** कहा जाता है

जब वस्तु एक सी नहीं होती अर्थात वस्तु विभेद पाया जाता है जैसे रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन सेट, स्कूटर, ट्रैक्टर आदि ***विभेदीकृत अल्पाधिकार या वस्तु विभेदीकरण सहित अल्पाधिकार*** कहा जाता है

बंद तथा खुला अल्पाधिकार

बंद अल्पाधिकार से तात्पर्य ऐसी अवस्था से है जहाँ उद्योग पर कुछ फर्मो का नियंत्रण होता है और नए प्रतिद्वंदियों का प्रवेश प्रायः वर्जित होता है इसके विपरीत खुला अल्पाधिकार वह अवस्था है जबकि उद्योग का द्वार नई फर्मो के प्रवेश के लिए खुला रहता है।

आंशिक तथा पूर्ण अल्पाधिकार

आंशिक अल्पाधिकार के अंतर्गत उद्योगों पर एक अथवा कुछ बहुत बड़ी फार्मों का अधिकार होता है और छोटी फर्में उसे नेता मानकर कीमत आदि क्षेत्र में उसी का अनुसरण करती है। जबकि पूर्ण अल्पाधिकार में इस प्रकार की परिस्थिति नहीं होती है अर्थात जब प्रत्येक फर्म स्वतंत्र रूप से कीमत व उत्पादन संबंधी निर्णय लेती है और वह किसी अन्य फर्म पर आश्रित नहीं होती तो अल्पाधिकार पूर्ण कहलाएगा।

संधियुक्त अल्पाधिकार तथा संधिविहीन अल्पाधिकार

जब उद्योग का फर्मो के बीच कीमत उत्पादन तथा बाजार विभाजन संबंधी समझौता हो जाता है और प्रत्येक फर्म उसी के अनुसार ही कार्य करता है तो उसे सन्धियुक्त अल्पाधिकार कहते हैं इसके विपरीत यदि फर्मों के बीच इस प्रकार के समझौते का अभाव रहता है तो उसे संधि विहीन अल्पाधिकार कहते हैं

अल्पाधिकार के अंतर्गत कीमत उत्पादन विश्लेषण

अल्पाधिकार के अंतर्गत मूल्य निर्धारण का अध्ययन करने के लिये इसे दो भागों में बांटकर अलग अलग अध्ययन किया जाता है

- उत्पादन विभेद रहित अल्पाधिकार
- उत्पादन विभेद सहित अल्पाधिकार

उत्पादन विविध रहित अल्पाधिकार या पूर्ण अल्पाधिकार

इसके अंतर्गत कीमत निर्धारण की दो विधियों हैं

- कीमत युद्ध
- कीमत नेतृत्व मॉडल

कीमत युद्ध (Price War)

जब उद्योग की समी फर्मों द्वारा समान वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है तब इसे शुद्ध या पूर्ण अल्पाधिकार कहा जाता है। इस प्रकार की बाजार में वस्तु भेद न होने के कारण प्रतियोगिता अधिक होती है अतः अल्पकाल में एक फर्म असाधारण लाभ कमा सकती है किंतु दीर्घकाल में यह असाधारण लाभ समाप्त हो जाता है। इस बाजार में कभी कभी गलाकाट प्रतियोगिता की स्थिति पाई जाती है जिससे कीमत युद्ध भी नाम दिया जाता है।

प्रो. सैमुअलसन का मत है कि पूर्ण अल्पाधिकार में समृद्ध वस्तुओं के कारण कीमत प्रतियोगिता अपनी चरम सीमा को प्राप्त करती है और एक फर्म दूसरे फर्म के बाजार से बाहर निकलने का पूर्ण प्रयास करते हैं इस प्रकार पूर्ण अल्पाधिकार में सर्वाधिक अस्थिरता की स्थिति बनी रहती है

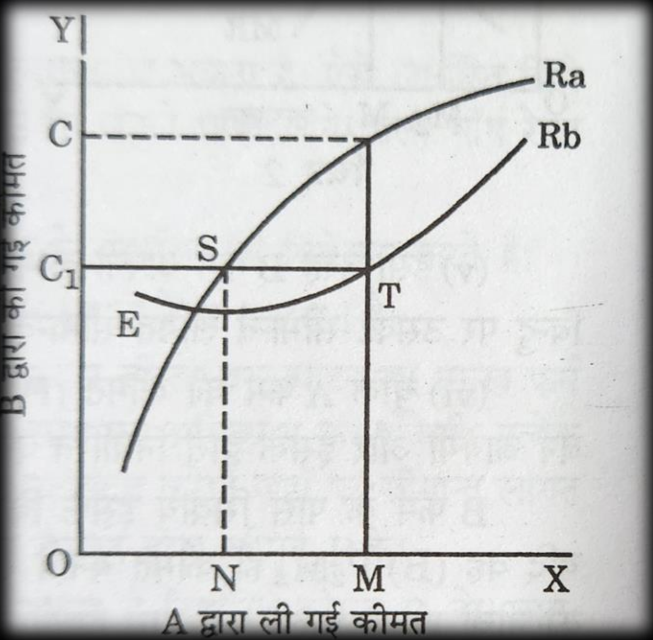

कीमत नेतृत्व मॉडल (Price Leadership Model)

एकाधिकार की स्थापना न हो सकने की दशा में फर्में आपस में एक "गुप्त सज्जनता का समझौता " (a Tacit Gentleman's Agreement) कर लेती है ताकि कीमत उद्योगों के प्रभावों से बचा जा सके। सुरक्षा के साथ बने रहने के लिए इस प्रकार के सज्जनता के समझौते में "कीमत नेतृत्व" एक प्रमुख रूप है।

कीमत नेतृत्व के अंतर्गत अल्पाधिकार उद्योग की फर्म में उस कीमत पर अपनी वस्तुओं को बेचने के लिए ये तैयार हो जाती है जो उद्योग के किसी एक सदस्य के दौरान निर्धारित की जाती है।

जैसे भारत में स्टील के संबंध में टाटा साबुन के संबंध में हिंदुस्तान लिवर और संचार के संबंध में जियो नेतृत्व लिए हुए है स्टे इन सब के द्वारा निर्धारित कीमत को इनके अन्य प्रतिस्पर्धियों के द्वारा अनुसरण किया जाता है

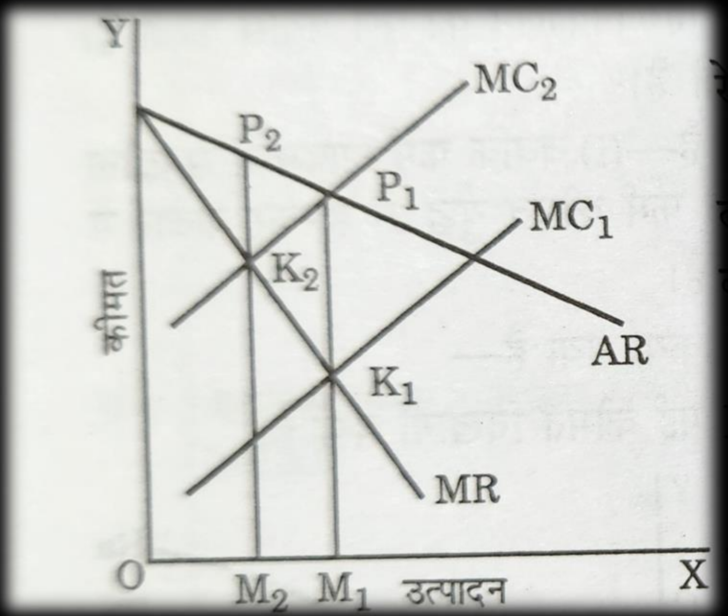

उत्पादन विभेद सहित अल्पाधिकार या अपूर्ण अल्पाधिकार

अपूर्ण अल्पाधिकार में भी सामान्य रूप से या कहा जा सकता है कि अल्पकाल में एक फर्म असाधारण लाभ कमा सकता है किंतु दीर्घकाल में अन्य प्रतियोगी फल में उनके असाधारण लाभ को समाप्त कर देगी इस बाजार का अध्ययन निम्नलिखित शीर्षकों के अंदर इंगित किया जा सकता है:-

गैर कीमत प्रतियोगिता

- वस्तु के गुण में सुधार करके प्रतियोगिता
- विज्ञापन प्रतियोगिता

गुटबंदी या कार्टेल

गुटबंदी के अंतर्गत एक केंद्रीय संस्था सभी अल्पाधिकारी यों के लिए कीमत तथा उत्पादन की मात्रा निर्धारित करती है जिससे सभी फर्मों को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

पूर्ण गुटबंदी की स्थिति में कीमत तथा उत्पादन मात्रा का निर्धारण ठीक उसी प्रकार से होता है जैसा एकाधिकार में होता है क्योंकि संपूर्ण अल्पाधिकार उद्योग केवल एक केंद्रीय संगठन के द्वारा संचालित होता है इस प्रकार पूर्ण गुटबंदी में सारे उद्योग के लिये किसी भी अल्पाधिकारी फर्म की कीमत एक अधिकारी के समान होंगे